कॉर्पोरेट गुरु स्वामी सुखबोधानंद ने 'पत्रिका' से विशेष बातचीत में बताए साधारण से असाधारण बनने के गुर

# सकारात्मक रहें तो कमाल कर देंगे

भोपाल @ पत्रिका
mp.patrika.com

काबिल रोल मॉडल, सकारात्मकता और बेहतर करने का जज्बा ही वो कड़ी है जिसके सहारे कोई भी असाधारण बन सकता है। ये विचार है सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की ओर से प्रशासन अकादमी में आयोजित लेक्चर सीरीज 'तत्वबोधिनी' के लिए भोपाल आए कॉर्पोरेट गुरु और प्रसन्ना ट्रस्ट के स्वामी सुखबोधानंद के। स्वामीजी दुनियाभर में गीता पर व्याख्यान के लिए जाने जाते है। वे प्रशासन अकादमी में नौ मार्च तक व्याख्यान देंगे। 'पत्रिका' ने स्वामीजी से बात की

***मोटिवेशन से प्रोडक्टिविटी को कैसे रिलेट करते है?***

■ हमारे शरीर में निकृष्ट और उत्कृष्ट दोनों ऊर्जा हैं। जब हमें प्रेरणा मिलती है तो हमारी उत्कृष्ट ऊर्जा बाहर आती है। सकारात्मक ऊर्जा से व्यवहार परिवर्तन होता है और अच्छे व्यवहार से उत्पादकता अपने चरम पर पहुंच जाती है। नकारात्मक मनोस्थिति ही हमारी सबसे बड़ी दुश्मन है। इससे बाहर आकर हम अविस्मरणीय कर सकते हैं।

***कॉर्पोरेट हाउस में एक गेरुआधारी क्या शिक्षा देता है?***

■ गीता के जरिए मैं आध्यात्मिक बातों को व्यवहार में लाने की शिक्षा देता हूं। वेदांत में तीन स्थितियां हैं, प्रातिभासिक, व्यावहारिक और पारमार्थिक सच्चाई। तनाव से पारमार्थिक सच्चाई की राह बताना मेरी विशेषता है। जैसे शास्त्रीय संगीत से मैलोडी गाना बना सकते है, वैसे ही गीता से स्ट्रेस मैनेजमेंट और प्रोडक्टिविटी के गुर सिखाता हूं।

***गीता की सबसे बड़ी सीख क्या है?***

■ गीता परिस्थिति नहीं मनोस्थिति है। गीता का ज्ञान है आपका मन ही आपका मित्र और शत्रु दोनों है। बस खुद को उठाना जरुरी है। परिस्थिति नहीं मनोस्थिति हमसे चमत्कार करवा सकती है और बेहतर मनोस्थिति के लिए आत्मस्थिति का उत्तम होना बेहद आवश्यक है।

***आज से परीक्षाएं शुरु हैं। क्या सीख देंगे बच्चों को?***

■ मन में तनाव आपको कमजोर कर सकता है। दिमाग को वर्तमान में रखने की कोशिश करें। भविष्य और भूत की गोद में डर छिपा होता है। बच्चे प्रक्षेपण कर लेते है कि मेरी तैयारी ठीक नहीं है, मैं फेल हो जाउंगा। तनाव को दूर करने के लिए कुछ देर नृत्य करें, वॉक करें, हेल्दी फूड लें और 15 मिनिट का ब्रेक लें। खुद से कहें कि मेरी तैयारी बिल्कुल सही दिशा में चल रही है। सकारात्मक भाव मन से हार का डर निकाल फेंकता है। कुछ तकनीक सीखकर डर पर जीत हासिल कर सकते हैं।

***आम व्यक्ति कैसे साधारण से असाधारण हो सकता है?***

■ जीवन में रोल मॉडल्स अहम भूमिका निभाते है। रोल मॉडल्स के गुण जरूर आपमें भी कहीं न कहीं मौजूद होंगे। ग्रेट साइंटिस्ट स्टीफन हॉकिंग 21 साल की उम्र में बीमारी से ग्रसित हो गए थे। डॉक्टर ने बताया कि अगले कुछ सालों में उनके सभी अंग डेड हो जाएंगे। उन्होंने पूछा कि मेरा ब्रेन तो डेड नहीं होगा। इसके बाद अपनी प्रेमिका से शादी की और एक महान वैज्ञानिक बने।

---

हरिभूमि 17

भोपाल, रविवार, 6 मार्च 2016

2016-17 सत्र से पीएचडीए एमफिल और एमए पाठ्यक्रमों को मंजूरी

# सांची विवि में जुलाई से शुरू होंगे नियमित पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज. भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र 2016-17 से शैक्षिक गतिविधियां नियमित रुप से आरंभ हो जाएगी। बौद्ध अध्ययन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद-योग, समग्र स्वास्थ्य, हिंदी एवं अंग्रेजी में जुलाई से एमए, पीएचडी एवं एमफिल में प्रवेश लिया जा सकता है। सांची विवि की विद्या परिषद के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं अल्पकालीन पाठ्यक्रमों को मंजूरी देते हुए आम आदमी से जुड़े विषयों पर पढ़ाई शुरू की जा सकती है। सांची विवि में शुरू होने वाले इन अल्पकालीन एवं दीर्घ पाठ्यक्रमों में भारतीय एवं बौद्ध दर्शन के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पक्षों का समावेश किया गया है। जिसका उद्देश्य शोध एवं अध्ययन के लिए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को इन विषयों के गूढ़ तत्वों को जानने में भी सहयोग हो सके।

भोपाल, सोमवार, 07 मार्च 2016

प्रदेश टुडे

# सांची विवि की कार्यपरिषद ने चीनी भाषा समेत कई कोर्सेज को दी मंजूरी

भोपाल। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय जुलाई 2016 से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद एवं योग (समग्र स्वास्थ्य), हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में एमए, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करेगा। चीनी भाषा में विश्वविद्यालय एक साल का पाठ्यक्रम भी प्रारंभ करने जा रहा है। सांची विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी है। सांची विवि आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्क्रम प्रारंभ करने जा रहा है। पिछले माह ही पाठ्यक्रम चयन समिति ने इन पाठ्यक्रमों को तय किया था, जिसे कि अकादमिक परिषद में रखा गया था। अकादमिक परिषद् में अनुमोदन के बाद इन पाठ्यक्रमों को आज कार्यपरिषद की बैठक में मंजूरी के लिए रखा गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि योग शिक्षकों के लिए भी विवि एक अलग कोर्स प्रारंभ करेगा। बैठक में सांची विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार, केंद्रीय तिब्बतीय अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ के कुलपति प्रो. गेशे नवांग सेमटेन, आईसीपीआर के चेयरमैन प्रो. एसआर भट्ट, मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, मप्र उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी डॉ. अशोक गुप्ता, सांची विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता उपस्थित थे।

114

TheHitavada
BHOPAL ■ Monday ■ March 7 ■ 2016

# Sanchi University to start MA course in Buddhist Philosophy

■ Staff Reporter

FROM the Academic Session 2016-17, MA, M.Phil, Ph.D, Diploma and Certificate Courses in Buddhist Philosophy, Indian Philosophy, Sanskrit, Ayurveda and Yoga (Holistic Health), Hindi and English will begin in Sanchi University of Buddhist-Indic Studies. The University is also going to begin a one-year Certificate Course in Chinese language. In the meeting of Executive Council of Sanchi University, approval has been given to launch these courses. Along with these courses, Sanchi University will also begin an exclusive Certificate Course on Ayurvedic Dietetics.

Last month, Syllabus Formation Committee of the University framed the syllabi for these courses and put forward the same before the Academic Council of the University. After getting the approval from Academic Council, all the syllabi were placed before Executive Council for discussion and approval. Executive Council also decided to launch Yoga Teachers Training Course and Diploma course in Pali Language and Literature from the forthcoming academic session. Meeting discussed Introductory Course in Vedic studies, Course on Prevention and promotion of Health through Ayurveda and Yoga, Comparative Literature in English, Diploma Course in Yogic Science, Foundation Programme in Sanskrit, Course on Communicative English and Certificate Course in Hindi.

Executive Council meeting of Sanchi University underway.

Vice Chancellor of Sanchi University, Prof Shashi Prabha Kumar, Prof Geshe Ngawang Samten, Vice Chancellor, Central University of Tibetan Studies, Sarnath, Prof S R Bhatt, Chairman, Indian Council of Philosophical Research, New Delhi, Manoj Shrivastav, Principal Secretary, Cultural Department, Government of Madhya Pradesh, Dr Ashok Gupta, OSD, Higher Education, Government of Madhya Pradesh and Registrar of Sanchi University, Rajesh Gupta were present during the meeting of the Executive Council.

Various rules related to smooth functioning of the University were also approved during the meeting. Subsequently, after the Executive Council's meeting, meeting of Finance Committee of the University was also held, in which Vice Chancellor, Prof Samten, Prof Bhatt, Registrar of Sanchi University and Joint Director (Finance) of the University, Shamendra Verma were present.

113

दैनिक भास्कर

भोपाल, सोमवार 7 मार्च, 2016 5

# सांची विवि : एमए, पीएचडी के साथ चीनी भाषा में भी शुरू होंगे नए कोर्स

## सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालयं की कार्यपरिषद ने दी मंजूरी

एजुकेशन रिपोर्टर | भोपाल

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में नए सत्र से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद व योग (समग्र स्वास्थ्य), हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में एमए, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। साथ ही छात्र विश्वविद्यालय से चीनी भाषा में भी एक साल का कोर्स कर सकेंगे।

रविवार को हुई विवि की कार्यपरिषद की बैठक में इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी गई है। इनके साथ ही विवि आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। इसमें छात्रों को पढ़ाया जाएगा कि बदलती आधुनिक जीवन शैली में स्वस्थ जीवन के लिए किस तरह का आहार लेना चाहिए। बैठक में योग शिक्षकों के लिए भी विवि एक अलग कोर्स के साथ ही पाली भाषा व साहित्य पर डिप्लोमा कोर्स भी शुरू करने पर सहमति बन गई है। कार्यपरिषद की मंजूरी के बाद विवि में नए सत्र से नियमित पढ़ाई का रास्ता साफ हो गया है। बैठक में सांची विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार, केंद्रीय तिब्बतीय अध्ययन विवि सारनाथ के कुलपति प्रो. गेशे नवांग सेमटेन, आईसीपीआर के चेयरमैन प्रो. एसआर भट्ट आदि थे।

### इन कोर्सेस पर भी बनी सहमति

- वेद परिचय पर प्रारंभिक कोर्स
- आयुर्वेद तथा योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागृति के लिए कोर्स
- अंग्रेजी साहित्य पर तुलनात्मक अध्ययन
- योग विज्ञान पर डिप्लोमा कोर्स
- संस्कृत पर आधारभूत कोर्स
- कम्युनिकेटिव इंग्लिश पर कोर्स
- हिंदी भाषा पर सर्टिफिकेट कोर्स

# सांची विवि में शुरू होंगे चीनी और पाली भाषा के नए पाठ्यक्रम

**भोपाल, देशबन्धु।** सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय नए सत्र से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद व योग (समग्र स्वास्थ्य), हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में एमए, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा तथा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ करेगा। इनके साथ ही विश्वविद्यालय चीनी भाषा में भी एक साल का कोर्स शुरू करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की रविवार को हुई बैठक में इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी गई है। इन पाठ्यक्रमों के साथ ही विवि आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। इसमें छात्रों को पढ़ाया जाएगा कि बदलती आधुनिक जीवन शैली में स्वस्थ जीवन के लिए किस तरह का आहार लेना चाहिए। पिछले माह ही पाठ्यक्रम चयन समिति ने इन पाठ्यक्रमों को तय किया था, जिसे अकादमिक परिषद में रखा गया था। अकादमिक परिषद में अनुमोदन के बाद इन पाठ्यक्रमों को कार्यपरिषद की बैठक में मंजूरी के लिए रखा गया। बैठक में योग शिक्षकों के लिए भी विश्वविद्यालय एक अलग कोर्स शुरू करेगा। इसके साथ ही पाली भाषा व साहित्य पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू करने पर सहमति बन गई है।

कार्यपरिषद बैठक में सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार, केंद्रीय तिब्बतीय अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ के कुलपति प्रो. गेशे नवांग सेमटेन, आईसीपीआर के चेयरमैन प्रो. एसआर भट्ट, मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, मप्र उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यथ अधिकारी डॉ अशोक गुप्ता, सांची विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता उपस्थित थे। बैठक में विश्वविद्यालय संचालन संबंधित विभिन्न नियमों का भी अनुमोदन किया गया। कार्यपरिषद की बैठक के बाद विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक भी हुई।

## यह पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे

- वेद परिचय पर प्रारंभिक पाठ्यक्रम।
- आयुर्वेद तथा योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागृति के लिए पाठ्यक्रम।
- अंग्रेजी साहित्य पर तुलनात्मक अध्ययन।
- योग विज्ञान पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम।
- संस्कृत पर आधारभूत पाठ्यक्रम।
- कम्युनिकेटिव इंग्लिश पर पाठ्यक्रम।
- हिंदी भाषा पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम।

मध्यप्रदेश जनसंदेश 05
भोपाल, सोमवार, 07 मार्च 2016

### कार्यपरिषद की बैठक ने दी मंजूरी

# सांची विवि में शुरु किए जाएंगे चीनी-पाली भाषा के नए कोर्स

भोपाल एमपीजेएस न्यूज

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय नए सत्र से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद व योग (समग्र स्वास्थ्य), हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में एमए, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करेगा। इनके साथ ही विश्वविद्यालय चीनी भाषा में भी एक साल का कोर्स शुरू करने जा रहा है।

विवि की कार्यपरिषद की आज हुई बैठक में इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी गई है। इन पाठ्यक्रमों के साथ ही विवि आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। इसमें छात्रों को पढ़ाया जाएगा कि बदलती आधुनिक जीवन शैली में स्वस्थ जीवन के लिए किस तरह का आहार लेना चाहिए। पिछले माह ही पाठ्यक्रम चयन समिति ने इन पाठ्यक्रमों को तय किया था, जिसे अकादमिक परिषद में रखा गया था। अकादमिक परिषद में अनुमोदन के बाद इन पाठ्यक्रमों को कार्यपरिषद की बैठक में मंज़ूरी के लिए रखा गया। बैठक में योग शिक्षकों के लिए भी विश्वविद्यालय एक अलग कोर्स शुरू करेगा। इसके साथ ही पाली भाषा व साहित्य पर डिप्लोमा कोर्स भी शुरू करने पर सहमति बन गई है। कार्यपरिषद बैठक में सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार, केंद्रीय तिब्बतीय अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ के कुलपति प्रो. गेशे नवांग सेमटेन, आईसीपीआर के चेयरमैन प्रो. एसआर भट्ट, संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, मप्र उच्च शिक्षा विभाग के विशेष कर्तव्यथ अधिकारी डॉ अशोक गुप्ता, सांची विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता उपस्थित थे।

### यह कोर्स भी शुरु होंगे-

- वेद परिचय पर प्रारंभिक कोर्स।
- आयुर्वेद तथा योग के माध्यम से स्वास्थ्य जागृति के लिए कोर्स।
- अंग्रेजी साहित्य पर तुलनात्मक अध्ययन।
- योग विज्ञान पर डिप्लोमा कोर्स।
- संस्कृत पर आधारभूत कोर्स।
- कम्युनिकेटिव इंग्लिश पर कोर्स।
- हिंदी भाषी पर सर्टिफिकेट कोर्स।

110

109

समय जगत
भोपाल 7 मार्च 2016 5

## सांची विवि में शुरू किए जाएंगे चीनी और पाली भाषा के नए कोर्स

**भोपाल।** सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय नए सत्र से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत, आयुर्वेद व योग (समग्र स्वास्थ्य), हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में एमए, एमफिल, पीएचडी, डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करेगा। इनके साथ ही विश्वविद्यालय चीनी भाषा में भी एक साल का कोर्स शुरू करने जा रहा है।

रविवार को हुई विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी दे दी गई है। इन पाठ्यक्रमों के साथ ही विवि आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। इसमें छात्रों को पढ़ाया जाएगा कि बदलती आधुनिक जीवन शैली में स्वस्थ जीवन के लिए किस तरह का आहार लेना चाहिए। पिछले माह ही पाठ्यक्रम चयन समिति ने इन पाठ्यक्रमों को तय किया था, जिसे अकादमिक परिषद में रखा गया था। अकादमिक परिषद में अनुमोदन के बाद इन पाठ्यक्रमों को कार्यपरिषद की बैठक में मंजूरी के लिए रखा गया।

BHOPAL
MONDAY
MARCH 07, 2016
FREE PRESS

## Sanchi varsity to begin various courses from next session

• OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies is going to begin MA, M. Phil, Ph. D, Diploma and Certificate Courses in Buddhist Philosophy, Indian Philosophy, Sanskrit, Ayurveda and Yoga (Holistic Health), Hindi and English from the academic session 2016-17.

The University is also going to begin a one year Certificate Course in Chinese Language. In the meeting of Executive Council of Sanchi University approval has been given to launch these courses. Along with these courses, Sanchi University is going to begin an exclusive Certificate Course on Ayurvedic Dietetics.

Last month, Syllabus Formation Committee of the University framed the syllabi for these Courses and put forward the same before the Academic Council of the University. After getting the approval from Academic Council, all the syllabi were placed before Executive Council for discussion and approval. Executive Council also decided to launch Yoga Teachers Training Course and Diploma course in Pali Language and Literature from the forthcoming academic session.

Vice-Chancellor of Sanchi University, Prof. ShashiPrabha Kumar, Prof. Geshe Ngawang Samten, Vice-Chancellor, Central University of Tibetan Studies, Sarnath, Prof. S. R. Bhatt, Chairman, Indian Council of Philosophical Research, New Delhi, Shri Manoj Shrivastav, Principal Secretary, Cultural Department, Govt of Madhya Pradesh, Dr. Ashok Gupta, OSD, Higher Education, Govt of Madhya Pradesh and Registrar of Sanchi University, Shri Rajesh Gupta were remained present during the meeting of Executive Council.

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

भोपाल, सोमवार, 7 मार्च 2016

## चीनी भाषा में विश्वविद्यालय में 1 साल का पाठ्यक्रम शुरू होगा

रायसेन। सांची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय जुलाई 2016 से बौद्ध दर्शन, वैदिक अध्ययन, भारतीय दर्शन, संस्कृत,आयुर्वेद एवं योग,समग्र स्वास्थ्यद्ध, हिंदी एवं अंग्रेज़ी भाषा में एमएए एमफिल, पीएचडी,डिप्लोमा तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करेगा। चीनी भाषा में विश्वविद्यालय एक साल का पाठयक्रम प्रारंभ करने जा रहा है। सांची विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने इन पाठयक्रमों को मंजूरी दे दी है। इन पाठ्यक्रमों के अलावा सांची विश्वविद्यालय आयुर्वेदिक आहार विद्या पर एक अनूठा पाठ्क्रम प्रारभ करने जा रहा है।